SHRI BALRAM JAKHAR: Sir, we have already been trying for that...*(Interruptions)*

MR. CHAIRMAN: The Question Hour is over.

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Request by Government of Kerala for increasing assistance

*324. SHRI RAMACHANDRAN PILLAI: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether the State Government of Kerala has requested for increase in assistance for cutting and removal of rootwilt affected coconut palms in Kerala; and

(b) whether any decision has been taken on it and if so, the details thereof?

THE MINISTER OF AGRICULTURE (SHRI BALRAM JAKHAR): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

ITDA's Lack of Coordination

*325. SHRI YERRA NARAYANA SWAMY: Will the Minister of WELFARE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that ITDA offices all over the country are not adequately coordinating their work with the local blocks;

(b) if so, the reasons for the negiect;

(c) the directions given to ITDA offices in different States to consult and coordinate their work with the local Mandal or Block offices; and

(d) the details of the steps proposed in this regard?

THE MINISTER OF WELFARE (SHRI SITARAM KESRI): (a) and (b) The I.T.D.A. offices try their best to coordinate with local agencies including Blocks, though there could be working difficulties in some cases.

(c) and (d) The Central Government has impressed upon the State Governments the desirability of empowering the Project Officers to have control over the Block Development Officers as they have been entrusted with the responsibility of implementation of various development programmes for the Scheduled Tribes.

जातियों की सूची में क्षेत्रीय विषमता

*326. श्री राम देव भंडारी: क्या कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि कुछ ऐसी जातियां हैं जिनके नाम, व्यवसाय, रहन-सहन एक समान होते हुए भी वे एक राज्य में अनुसूचित जाति और दूसरे राज्य में पिछड़े वर्ग के रूप में सूचीबद्ध की गई है;

(ख) यदि हां, तो ऐसी जातियों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार इस विषमता को समाप्त करना उचित समझती है; और

(घ) यदि हां, तो इस विषमता को दूर करने के लिए सरकार द्वारा क्या प्रयास किए जा रहे है और इसे कब तक समाप्त कर दिया जाएगा?

कल्याण मंत्री (श्री सीताराम केसरी): (क) समुदायों को अनूसचित जातियों या अन्य पिछड़े वर्गों के रूप में सूचीबद्ध करने का कार्य प्रत्येक श्रेणी के लिए निर्धारित मानदण्डों के अर्हक मानदंडो के आधार पर किया जाता है। किसी समुदाय के सामाजिक आर्थिक विकास का स्तर एक राज्य से दूसरे राज्य में भिन्न हो सकता है जिसके कारण एक समुदाय एक राज्य/संघ राज्य क्षेत्र में अनुसूचित जाति और दूसरे राज्य में अन्य पिछड़ा वर्ग हो सकता है।

(ख) ऐसे नमूने मामलों का एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है। (नीचे देखिए)

(ग) तथा (घ). (ग) में दी गई स्थिति को देखते हुए प्रश्न नहीं उठता।